ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रायोगिक ब्लॉक स्तरीय एग्रोमेट एडवाइजरी बुलेटिन

(आईएमडी और आईसीएआर की एक संयुक्त पहल)

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 18-07-2023

पूर्णिया(बिहार) में जलालगढ़ ब्लॉक के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-18 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-19	2023-07-20	2023-07-21	2023-07-22	2023-07-23
वर्षा (मिमी)	3.6	0.0	0.1	0.0	2.5
अधिकतम तापमान(से.)	35.3	36.6	37.5	39.4	37.6
न्यूनतम तापमान(से.)	27.7	28.6	29.4	30.4	30.3
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	82	80	79	81
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	49	48	45	46	50
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	12	12	12	13	13
पवन दिशा (डिग्री)	90	113	117	108	108
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	6	8	6	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

अगले पाँच दिनों तक औसत अधिकतम नमी 90% और न्यूनतम नमी 50% रहने की संभावना है | अधिकतम तापमान 39 और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है | आकाश आंशिक रूप से बादल रहने व दक्षिण-पूर्व हवा तथा हल्की वर्षा की संभावना है |

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई को सलाह दी जाती है की मखानाकी अच्छी उपज के लिए खेत मे पानी की स्तर को बनाए रखे !

लघु संदेश सलाहकार:

तिल, मूँगफली, सोयाबीन आदि फसल की बुआई कर लेनी चाहिए | बोआई के पूर्व बीजोपचार अवश्य करे |

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
तिल	तिल फसल की बुआई से पहले बीजो को थीरम @ 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें | बीज दर = 4- 6 कि०ग्रा० प्रति हे०, दूरी = 30 X 10- 15 से०मी० तथा N: P: k :: 40: 20: 20 कि०ग्रा० प्रति हे० का प्रयोग करे |
पाट	किसान भाई वर्तमान मौसम को देखते हुएखडी फसल मे से अतिरिक्त जल निकासी की व्यवस्था करे | वर्षा के बाद, उच्च तापमान और आदर्ता के कारण रोयेदार कैटरपिलर का संक्रमन होता है | इसके बचाव के लिए गुच्छों में निकले अंडों के समूह और नव उभरे लार्वा को खेत से तुरंत नष्ट करे, अत्यधिक संक्रमन होने पर लेम्डा साइटलोथ्रिन 5 EC @1 मी०ली० प्रति ली० या इंडोक्साकार्ब 14.5 SC @1 मी०ली० प्रति का छिड़काव करे |
चावल	किसान भाईको धान की बुआई सीधी बीज बुआई तकनीक से जीरो टीलेज मशीनकी मदद से करने की सलाह दी जाती है | बीज दर = 20-25 kg / ha, अनुसंशित दूरी = 20 c.m (पंक्ति से पंक्ति) और 5- 7 c.m (पौध से पौध)| धान मे खरपतवार नियंत्रण:- i) धान रोपाई के समय से लेकर रोपाई के 4 दिन तक खरपतवार नियंत्रण के लिए प्रेटीलाक्लोर 50 ई० सी० @ 600 मी०ली० प्रति एकड़ का उपयोग कर सकते है |ii) धान रोपाई के 15- 20 दिन होने पर बिसपैरीवेक सोडियम 10 SC@ 100 मी०ली० प्रति एकड़ + पाइरजोस्ल्फुरान एथाइल 10 WP@ 80- 100 मी०ली० प्रति एकड़ का उपयोग कर कसते है | यदि धान के नर्सरी में पत्ते पीले, आंशिक ब्राउनिंग और संक्रमित दाने पर स्टेप्तोसाईक्लिन @ 2ग/ ली. पानी के साथ डाईक्लोमस 76% EC @ 2 ml / ली. पानी घोल बना कर स्प्रे करे, साथ ही 1 kg mop को 125मी० वर्गक्षेत्र में उपयोग करे | मौसम के मिजाज को देखते हुये मध्यम से अल्प अवधि के धान की प्रभेदो की नर्सरी मे बुआई प्रारम्भ कर देनी चाहिए | बुआई से पूर्व बीज को 0.2 ग्राम स्ट्रेपटोसाईक्लीन के साथ 2 ग्राम बाविस्टीन से उपचरित करे, बीज दर = 10 किलोग्राम प्रति एकड़ |

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
हल्दी	वर्तमान मौसम को देखते हुएकिसान भाई को सलाह दी जाती है कीहल्दी, अदरक, सूरन (ओल) की बुआई प्रारंभ कर देनी चाहिए | साग-सब्जियों के पौधों पर एफीड, थ्रिप्स व सफ़ेद मक्खी और फफूंन जनित रोग होने पर इमिडाक्लोप्रिड 17.8 SL दवा की 0.25 मी० ली० प्रति ली० पानी में तथा डाइथेन एम-45 का 0.2 प्रतिशत घोल को मिलकर छिकाड़व करे |सब्जीयो में निकाई-गुड़ाई तथा जल निकास की समुचित व्यवस्था करें एवं नेत्रजन खाद से उपरिवेशन करें | सब्जी की फसलों में से खरपतवार निकालकर आवश्यतानुसार जल विलेय उर्वरकता का प्रयोग करें |

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	किसान भाईयों को सलाह दी जाती है की तेज धूप को देखते हुये, पशुओ को सुबह- शाम ताजा पानी पिलाये साथ ही हरा चारा (भूसा/ कुटी भी) की उपलब्धता सुनिचित करे, जिससे स्वास्थ अच्छा रहने के साथ- साथ दूध में भी बढ़ोतरी होगी | एफ़० एम० डी० रोग से ग्रसित पशुओं के मुँह-खरों एवं थन को पोटाशियम परमेंगनेट की एक % घोल से साफ करें |6 माह से छोटे पशुओं में एवं गर्ववती पशुओं में टीकाकरण नहीं करवाएं | नवजात बछड़े एव बछड़ियों को अन्तः परजीवी नाशक दवा नियमित रूप से देना चाहिए | बरिस के मौसम मे बकरियो को एंटेरोटोकसीनिया नामक टीका लगवाना चाहिए |